(मैनुअल/कंप्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा - जनवरी, 2016

भारत सरकार

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध

प्रश्न पत्र - प्रथम

बैच- I

समय : 1 घंटा 40 मिनट | पूर्णांक : 50

1. कृपया निम्नलिखित सारणी (स्टेटमेंट) को सुंदर ढंग से टाइप कीजिएः- (20 अंक)

शाहदरा मंडी में सब्जियों की आवक

(टनों में)

सब्जियों के नाम	जून, 2015	जुलाई, 2015	अगस्त, 2015	सितंबर, 2015
आलू	52	23	99	25
बैंगन	45	56	51	41
भिंडी	48	85	52	74
करेला	74	95	45	84
पालक	42	75	58	63
मटर	56	54	52	56
लौकी	21	51	32	53
बीन्स	22	52	75	33

2. **निम्नलिखित पत्र को सुंदर एवं सही ढंग से टाइप कीजिएः-** **(10 अंक)**

संख्या : बीएमबी/राजभाषा/2015-16/54
भारतीय महिला बैंक
पंजीकृत कार्यालय
9वां तल, आईएफसीआई टॉवर,
61, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110 019
दिनांक : 18 अगस्त, 2015

सेवा में

सहायक निदेशक (टं/आ)
हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण केंद्र
दूसरा तल, मानक भवन,
नई दिल्ली-110002

विषय : **कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के लिए बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।**

महोदय,

कृपया राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के दिनांक 10 जुलाई, 2015 के पत्र संख्या 12015/22/2015-रा.भा.(तक) का संदर्भ लें। उपर्युक्त विषय के संबंध में आपके प्रशिक्षण केंद्र पर दिनांक 05 अक्तूबर, 2015 से 09 अक्तूबर, 2015 तक आयोजित किए जा रहे कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के लिए बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इस बैंक की सहायक प्रबंधक कुमारी क.ख.ग. को नामित किया जा रहा है। कृपया नामित अधिकारी के प्रवेश की पुष्टि करने की व्यवस्था करें, ताकि निर्धारित समय पर उन्हें प्रशिक्षण हेतु कार्यमुक्त किया जा सके।

भवदीया,

(च.छ.ज.)
सहायक महाप्रबंधक (रा.भा)

प्रति :

1. निदेशक (तकनीकी), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, एनडीसीसी-II, महाराजा जयसिंह रोड, नई दिल्ली

3. निम्नलिखित हस्तलेख को इसमें किए गए संशोधन, परिवर्तन, परिवर्धन आदि का समावेश करते हुए ठीक प्रकार से टाइप कीजिए:- (20 अंक)

ctr कंप्यूटर

L# कंप्यूटर वस्तुत: एक अभिकलक यंत्र है। यह
L व दिए गए गणितीय/तार्किक क्रियाओं की गणना
L ○ को सटीकता से पूर्ण करने के लिए योजनाबद्ध
L trs तरीके से निर्देशित किया सकता जा है। चूँकि
L h किसी भी कार्य/योजना को पूरा करने के लिए
L क्रम निर्देशों का क्रम बदला जा सकता है इसलिए
L ज कंप्यूटर एक से ज़्यादा तरह की कार्यवाही
L stet को अंजाम दे सकता है। इस निर्देशन
L ① को प्रोग्रामिंग कहा जाता है। कंप्यूटर प्रोग्रामिंग
L निर्देशों की मदद से प्रयोक्ता के निर्देशों को समझता
L N.P. है। [परंपरागत कंप्यूटरों में एक केंद्रीय संसाधन
L trs इकाई और सूचना भंडारण लिए के स्मृति होती
L# है। संसाधन इकाई अंकगणित व तार्किक गणनाओं
L एवं को अंजाम देती है और नियंत्रण इकाई स्मृति
L क्रम में रखे निर्देशों के आधार पर संचालन का क्रम
बदलती है।

—— o ——

(मैनुअल/कंप्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा – जनवरी, 2016

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध

प्रश्न पत्र – द्वितीय

बैच – I

समय : 10 मिनट | पूर्णांक : 50

इस दुनिया में मुख्य रूप से दो तरह के लोग होते हैं। कुछ 60
जो प्राप्त करते हैं उसे अपने तक ही सीमित रखते हैं, उसे किसी को 128
देते नहीं हैं। मगर कुछ ऐसे लोग हैं, जो कुछ भी वे प्राप्त करते हैं उसे 210
लोकहित के लिए बांट देते हैं। अगर आप बांटने का चुनाव करते हैं तो 283
देव स्वरूप बन जाते हैं। अगर आप उसे जमा करते जाते हैं और 347
किसी को बांटते नहीं हैं तो राक्षस बन जाते हैं। आप राक्षस इसलिए 420
नहीं बनते क्योंकि आप जो कर रहे हैं वो दूसरों की नजरों में बुरा है, 495
बल्कि इसलिए बनते हैं क्योंकि आप में देने का अथवा किसी का हित 562
करने का कोई भाव नहीं है। देव स्वरूप ऐसे प्राणी होते हैं जो तेजस्वी 643
होते हैं, जिनमें सर्वत्र कुछ न कुछ बिखरने का गुण होता है। देने के 720
भाव से मतलब बस इतना है कि आप हमेशा कुछ दे रहे हैं। जो भी 792
दिया जा सकता है, उसे दे दिया जाए जहां भी उसकी जरूरत हो। यह 858
महत्वपूर्ण नहीं है कि आपको कहां देना है, क्या देना है और कितना 931
देना है। इस हिसाब-किताब के चक्कर में सब गलत हो जाता है। 995
आपको अपने जीवन को मैं क्या पा सकता हूं, से मैं क्या दे सकता हूं, 1064
में रूपांतरित या परिवर्तित करना है। 1103

जीवन को तेजस्वी बनाने के लिए आपको धर्मग्रंथों को पढ़ने 1169
की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ परोपकार के बारे में सोचकर आप 1233
तेजस्वी नहीं बनते। आप तेजस्वी तब बनते हैं, जब आपके भीतर 1297
रख लेने का भाव खत्म हो जाता है और कुछ देने का भाव जागृत हो 1373
जाता है। लोग हमेशा सोचते हैं, अगर मैं यह दे दूंगा तो इतना चला 1445
जाएगा। ये हिसाब-किताब सब बेकार की चीज है। सच तो यह है कि 1510
आप अपना जीवन अपने आसपास मौजूद हर इंसान से बांटते रहते हैं, 1575
उनको देते रहते हैं, तो हर कोई आपका ध्यान रखेगा और आपकी 1642
देखभाल करेगा। 1663

...2/-

मुझे क्या करना चाहिए, अपने वेतन का या अपनी कमाई का कितना हिस्सा मुझे दान करना चाहिए, बात इसकी नहीं है। आपको खुद को रूपांतरित करना होगा। क्या आपको लगता है कि एक नारियल का पेड़ ये हिसाब लगाता है कि मुझे कितने नारियल देने चाहिए, अगर मैं सौ नारियल दे दूंगा तो ये लोग ज्यादा पैसे बना लेंगे। चलो मैं पचास नारियल ही देता हूं। क्या आपको लगता है कि नारियल का पेड़ खुद को रोक रहा है। सच तो यह है कि नारियल का पेड़ जितना भी पोषण हो सकता है, उसे पाने की कोशिश करता है और फिर ज्यादा से ज्यादा नारियल देता है। हम सबको भी इसी तरीके से जीने का प्रयास करना चाहिए कि हम जितना ज्यादा से ज्यादा बांट सकते हैं बांटें।

इंसान ही है जो चीजें अपने पास रोके रखने की कोशिश कर रहा है। वह नहीं चाहता कि दूसरों को कुछ मिले। इसकी वजह है कि उसकी बुद्धि तो तार्किक है, लेकिन वह उसका सही इस्तेमाल करना नहीं जानता। इस अस्तित्व ने, इस सृष्टा ने आपको बुद्धि इसलिए दी कि आप उसका वैसे इस्तेमाल कर सकें, जैसे संसार के दूसरे प्राणी नहीं कर सकते। यह सर्व विदित है कि मनुष्य जीवन श्रेष्ठ है। ऊंचा उठने के लिए, अपने रूपांतरण के लिए न कि संचय के लिए। इसलिए जमा करने के लिए नहीं बल्कि बांटने के लिए मिली है बुद्धि। अपनी बुद्धि का उपयोग आम आदमी की भलाई के लिए जन साधारण के जीवन को ऊंचा उठाने के लिए करना चाहिए। हम तभी मनुष्य योनि जो कि श्रेष्ठ है, को सफल बना सकते हैं।

1718
1781
1842
1904
1979
2040
2109
2184
2251
2307
2341
2404
2470
2532
2598
2657
2720
2792
2856
2926
2994
3054

हिंदी आशुलिपि परीक्षा - जनवरी, 2016

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध

प्रश्न पत्र - प्रथम

बैच - I

डिक्टेशन समय : 5 मिनट पूर्णांक : 100

लिप्यंतरण समय : 50 मिनट (गति : 80 शब्द प्रति मिनट)

सभापति महोदय, वित मंत्री जी ने जो बिल पेश किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। मुझे प्रसन्नता / है कि इस बार गांवों के विकास की ओर भी ध्यान दिया गया है। लेकिन मैं यह भी चाहूंगा कि // इसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बारे में उल्लेख होना चाहिए। सार्वजनिक वितरण
1 प्रणाली गांवों तथा शहरों के लिए एक /// समान होनी चाहिए। अगर शहरों में चावल दिया जाता है तो गांवों में भी दिया जाना चाहिए। कोई भी चीज X हो वह गांवों में जरूर दी जानी चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में सुधार की अत्यधिक आवश्यकता है। इस बदले हुए / वातावरण में अगर इस पर विचार नहीं किया गया और गांवों की जनता को सुविधाएं नहीं दी गईं तो वहां के // लोगों को परेशानी होगी।

सभापति महोदय, मैं गांव का रहने वाला हूं। हमारे यहां मजदूरों की दशा बहुत /// खराब है।
2 मैंने गांवो में देखा है कि उन्हें पूरी मजदूरी नहीं दी जाती है। सरकार की तरफ से X जो मजदूरी निर्धारित की गई है वह भी उन्हें नहीं दी जा रही है। इसलिए उनको निर्धारित मजदूरी / दिलाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। जो व्यक्ति मजदूरों को निर्धारित मजदूरी न दे उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई // की जानी चाहिए। अगर इस सम्बन्ध में कदम नहीं उठाया जायेगा तो जनता का भरोसा
3 उठ जाएगा। आज हमारे देश /// के करोड़ों लोग ऐसी स्थिति में रहते हैं जिसमें कि उनको सही ढंग से भोजन नहीं मिलता, कपड़ा X नहीं मिलता, औषधि नहीं मिलती और पढ़ाई का तो कोई प्रश्न ही नहीं है । उनके रहने के लिए मकान / नहीं हैं। जहां इस प्रकार की व्यवस्था चल रही हो, वहां पर समाज में शान्ति कैसे रह सकती है। यदि // यही स्थिति रही तो एक दिन देश में लोकतंत्र खतरे मे पड़ सकता है। जहां आज हम सामाजिक /// समानता अथवा राजनीतिक समानता की बात करते हैं,
4 वहां पर आर्थिक समानता के बारे में भी सोचना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति X को उसकी आवश्यकता के अनुसार सही साधन मिलने चाहिए। उसे धन मिलना चाहिए। ऐसी व्यवस्था नहीं रहनी चाहिए कि / वह अपने जीवन की आवश्यक वस्तुओं को भी न खरीद सके, अपने जीवन को सही ढंग से न चला सके। // जहां आप आय पर सीमा लगाएं वहां खर्च पर भी आप को रोक लगानी चाहिए। यदि ऐसा न
5 किया गया /// तो बड़े-बड़े पूंजीपतियों के हाथ में पूंजी एकत्रित हो जायेगी और वे पूरे समाज को पूंजी के बल X पर अपने दबाव में रखेंगे।

हिंदी आशुलिपि परीक्षा – जनवरी, 2016
भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध
प्रश्न पत्र - द्वितीय
बैच - I

डिक्टेशन समय : 5 मिनट
लिप्यंतरण समय : 50 मिनट

पूर्णांक : 100
(गति : 100 शब्द प्रति मिनट)

माननीय अध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान ने कल जो परीक्षण किया है, उसके बाद हमारे द्वारा किए गए परीक्षण का कारण स्वयं सिद्ध हो गया है। / दूसरी तरफ से कई बार पूछा गया कि यह परीक्षण क्यों किया गया, आखिर इसकी जरूरत क्या थी। मेरे दोस्तों को स्पष्ट करने के // लिए शायद कल पाकिस्तान ने स्पष्ट कर दिया कि इसकी आवश्यकता हमें क्यों पड़ी और क्यों परीक्षण 1
करना चाहिए था। मैं एक बात और /// स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि भारत एक और चीन का युद्ध सहन नहीं कर सकता है, देख नहीं सकता है। इस देश के माथे X पर उस समय हार का जो काला टीका लगा था, वह आज तक मिट नहीं सका है, हम उसे भुला नहीं सके हैं। उसके / कारण यह देश दस साल पीछे चला गया, इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। आज भारत की स्थिति क्या है? चीन एक महाशक्ति // बन चुका है। उसके पास अणुबम है। पाकिस्तान के साथ हमारे चार युद्ध 2
हो चुके हैं। पंजाब में जो कुछ हुआ और काश्मीर /// में जो कुछ हो रहा है, उसमें हजारों लोग मारे गए हैं और करोड़ों रुपए आतंकवाद से निपटने में हमारे खर्च हो चुके X हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह समझता हूँ कि मई का परीक्षण ठीक समय पर लिया गया फैसला है। यह फैसला हमारी सुरक्षा को ध्यान में / रख कर किया गया था। वह आत्मनिर्भरता को सामने रख कर लिया गया निर्णय था। हमारे देश को एक महाशक्ति के रूप में // कुछ देश देखना नहीं चाहते हैं। इसी कारण वे परेशान हैं, लेकिन किसी भी देश की सुरक्षा को ताक पर नहीं रखा जा सकता है। ///

अध्यक्ष महोदय, इस सम्मानित सदन के अंदर मुझे आज जो बोलने का समय दिया गया, 3
उसके लिए मैं आपके प्रति अपना अत्यन्त आभार प्रकट X करना चाहता हूँ। चुनाव के बाद पहली बार मैं इस माननीय सदन में बोल रहा हूँ। मैं एक ऐसे समय इस सदन के सामने बोल / रहा हूँ जबकि मैं यह महसूस करता हूँ कि परिस्थिति की यह मांग है कि जो समस्याएं हमारे सामने प्रकट हो रही हैं, उन पर // पूरी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस समस्या को कोई और रूप देने और नारे लगाने से कोई लाभ नहीं है। 4

भारत और /// पाकिस्तान के मध्य कई मुद्दों पर पिछले काफी समय से बातचीत चल रही है। कई वर्षों से उन पर चर्चा हो रही है। कई वर्षों X से बहुत सारी समस्याओं पर हमारे मतभेद रहे हैं और अभी भी हैं। महोदय, इस समय जबकि मैं आपके सामने बोल रहा हूँ / तो मुझे पुराना इतिहास याद आ रहा है, परन्तु मैं इस इतिहास पर चर्चा करके और अधिक समय नहीं लेना चाहता हूँ। अब इस // इतिहास को समाप्त करना संभव नहीं है। अब यह भी सम्भव नहीं कि परमाणु 5
परीक्षणों से भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर चर्चा की जाए/// । इस विषय के संबंध में चर्चा करने से पूर्व में सदन के सभी सदस्यों के साथ मिलकर वैज्ञानिकों और इससे संबंधित सभी लोगों X को बधाई देना चाहता हूँ।